इंडोनेशिया में पर्यावरण आंदोलन

स्रोत: न्यूयार्क टाइम्स

इंडोनेशियाई धार्मिक नेता प्रतिकूल मौसम तथा समुद्र के स्तर में वृद्धि से उत्पन्न खतरों के जवाब में पर्यावरण आंदोलन को सक्रिय रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

- इंडोनेशिया **कोयला एवं पाम तेल के सबसे बड़े निर्यातक** देश के रूप में वैश्विक जलवायु संकट पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करता है।
- द्वीप समूह राष्ट्र बढ़ते समुद्र के स्तर एवं चरम मौसम की घटनाओं के प्रति संवेदनशील हैं, जबकि ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तन से प्रेरित सूखे से प्रभावित हैं।
- वर्ष 2007 में बाली में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न धर्मों के इंडोनेशियाई धार्मिक नेताओं ने एक अंतर-धार्मिक वक्तव्य प्रस्तुत किया, जिसमें **ज़मीनी स्तर की कार्रवाई को प्रेरित करने** में धार्मिक शिक्षाओं के साथ ही स्थानीय ज्ञान की भूमिका पर ज़ोर दिया गया।
  - इंडोनेशिया में यह बढ़ती प्रवृत्ति ही **"ग्रीन मस्जिदों" एवं "ग्रीन चर्च"** के उद्भव का कारण है।
  - साथ ही **पारिस्थितिकि पदचिह्न** को कम करने के लिये **कई अन्य कदम भी उठाए** गए हैं जैसे:
    - सोलर पैनलों की स्थापना
    - जल पुनर्चक्रण प्रणाली का कार्यान्वयन
    - ऊर्जा दक्ष नल का उपयोग करना
- **इंडोनेशिया** अत्यधिक भीड़भाड़, प्रदूषण एवं तेज़ी से जलमग्न होने की आशंका के कारण अपनी राजधानी को जकारता द्वीप से बोर्नियो में स्थानांतरित **करने की योजना** बना रहा है, जिससे वर्ष 2050 तक शहर के एक महत्त्वपूर्ण भाग के जलमग्न होने का अनुमान है।

और पढ़ें... पर्यावरण आंदोलन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/environmental-movement-in-indonesia